पंजीकृत/अनुस्मारक पत्र

प्रेषक,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशु पालन विभाग,
लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी,
कानपुरनगर/कानपुरदेहात/कन्नौज/औरैया/इटावा/फर्रुखाबाद/मुजफ्फरनगर/शामली/सहारनपुर/आजमगढ़/मऊ/झांसी/जालौन/चित्रकूट/बांदा/हमीरपुर/महोबा/बरेली/पीलीभीत/बदायूँ/अलीगढ़/एटा/फैजाबाद/अमेठी/हापुड़/बुलन्दशहर/गौतमबुद्धनगर/गाजियाबाद/मेरठ/फतेहपुर/कौशाम्बी/हरदोई/उन्नाव/मैनपुरी/आगरा/मथुरा/फिरोजाबाद/जौनपुर/सोनभद्र/रामपुर/अमरोहा/देवरिया/कुशीनगर/महराजगंज।

पत्रांकः 2001 /प–2/।।।एफ (417)/2014–15 दिनांकः 10-12-2015

विषयः–राष्ट्रीय कृषि विकास की उपयोजना **"अतिरिक्त चारा उत्पादन कार्यक्रम"** के अन्तर्गत उपलब्ध करायी गयी धनराशि का शत–प्रतिशत व्यय सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक अवगत कराना है कि रबी–2015 में चारा उत्पादन कार्यक्रम संचालित कराये जाने हेतु इस कार्यालय के पत्र संख्या–215/बजट/29/(5)/अनु0–11/01/2015–16 दिनॉक 20.10.2015 द्वारा बजट का आवंटन किया गया है। आवंटित धनराशि व्यय करने के सम्बन्ध में इस कार्यालय के पत्र संख्या–1091/प–2/।।।एफ (417)/2014–15 दिनांक–28.10.15 एवं पत्र संख्या–1097/प–2/।।।एफ (417)/2014–15 दिनांक–30.10.15 द्वारा विस्तृत दिशा निर्देश निर्गत करते हुये अपेक्षा की गयी थी कि योजना अन्तर्गत व्यय की गयी धनराशि की प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण–पत्र तत्काल निदेशालय को उपलब्ध कराया जाय। अभी तक किसी भी जनपद से व्यय की गई धनराशि की सूचना एवं उपयोगिता प्रमाण–पत्र उपलब्ध न कराया जाना खेद का विषय है।

अतः उपरोक्त संदर्भ में निर्देशित किया जाता है कि योजनान्तर्गत व्यय की गई धनराशि एवं उपयोगिता प्रमाण–पत्र तत्काल (फैक्स द्वारा) उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि भारत सरकार एवं उ0प्र0, शासन को वस्तुस्थिति से अवगत कराया जा सके। विलम्ब की दशा में योजना में स्वीकृत धनराशि की द्वितीय किस्त वित्तीय वर्ष 2015–16 में अवमुक्त होने में यदि किसी प्रकार की विषम परिस्थति उत्पन्न होती है तो समस्त उत्तरदायित्व आपका होगा।

भवदीय,

(डा0 राजेश बाबू),
निदेशक,
प्रशासन एवं विकास।

पत्रांक /प–2/।।।एफ (417)/2014–15 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– समस्त अपर निदेशक ग्रेड–2, पशुपालन विभाग।
2– नोडल अधिकारी, आर0के0वी0वाई0, पशुपालन निदेशालय, लखनऊ।
3– विभागीय बेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।

(डा0 राजेश बाबू),
निदेशक,
प्रशासन एवं विकास।